

उत्तरांचल शासन
कार्मिक अनुभाग-2

अधिसूचना
प्रकीर्ण

संख्या 1088/कार्मिक-2/2003-55(35)/2003

31 जुलाई, 2003 ई०

उत्तरांचल (उत्तरांचल लोक सेवा आयोग के क्षेत्र के बाहर) समूह 'ग' के पदों पर सीधी भर्ती की प्रक्रिया नियमावली, 2003

1. (1) यह नियमावली उत्तरांचल (उत्तरांचल लोक सेवा आयोग के क्षेत्र के बाहर) समूह 'ग' के पदों पर सीधी भर्ती की प्रक्रिया नियमावली, 2003 कही जायेगी।
(2) यह तुरन्त प्रवृत्त होगी।
(3) यह संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक के अधीन राज्यपाल को नियम बनाने की शक्ति के अधीन सीधी भर्ती के समूह 'ग' के पदों पर लागू होगी, शिवाय उन पदों और विभागों के :
(एक) जो उत्तरांचल लोक सेवा आयोग, उच्च न्यायालय, और उच्च न्यायालय के नियंत्रण और अधीक्षण के अधीन अधीनस्थ न्यायालयों और प्रादेशिक सशस्त्र पुलिस और अग्निरक्षण सेवाओं को सम्मिलित करते हुए पुलिस विभाग के क्षेत्रान्तर्गत हों;
(एक-क) जिनकी विहित न्यूनतम शैक्षिक अर्हता उत्तर प्रदेश, माध्यमिक शिक्षा परिषद् अथवा उत्तरांचल शिक्षा एवं परीक्षा परिषद् की इण्टरमीडिएट परीक्षा प्रमाण-पत्र या सरकार द्वारा उसके समकक्ष मान्यता प्राप्त किसी अर्हता से कम न हो।
(दो) जो सरकार द्वारा अधिसूचित आदेश द्वारा इस नियमावली के लागू होने से अपवर्जित हों।
संक्षिप्त नाम,
प्रारम्भ और लागू
होना
2. यह नियमावली किसी अन्य नियमावली या आदेशों में दी गयी किसी प्रतिकूल बात के होते हुए भी, प्रभावी होगी।
अध्यासीटी प्रभाव
3. इस नियमावली में, जब तक कि विषय या संदर्भ में कोई प्रतिकूल बात न हो-
(क) 'नियुक्ति प्राधिकारी' का तात्पर्य संगत सेवा नियमावली के अधीन नियुक्ति करने के लिए सशक्त प्राधिकारी से है;
(ख) 'संविधान' का तात्पर्य भारत का संविधान से है;
(ग) 'सरकार' का तात्पर्य उत्तरांचल राज्य की सरकार से है;
(घ) 'राज्यपाल' का तात्पर्य उत्तरांचल के राज्यपाल से है;
(ङ) 'अन्य पिछड़े वर्गों' का तात्पर्य समय-समय पर यथा सशोधित उत्तर प्रदेश लोक सेवा (अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण) अधिनियम, 1994 (यथा उत्तरांचल में लागू) की अनुसूची एक में विनिर्दिष्ट नागरिकों के अन्य पिछड़े वर्गों से है।
परिभाषाएं
4. नियुक्ति प्राधिकारी, वर्ष के दौरान मरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या और अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य श्रेणियों के अभ्यर्थियों के लिए आरक्षित की जाने वाली रिक्तियों की संख्या संगत सेवा नियमावली के अनुसार ही अवधारित करेगा। यदि चयन समिति का अध्यक्ष नियुक्ति प्राधिकारी से भिन्न कोई अधिकारी है तो नियुक्ति प्राधिकारी चयन समिति के अध्यक्ष को रिक्तियों की सूचना देगा।
रिक्तियों का
अवधारण
5. (1) सीधी भर्ती करने के लिए आवेदन पत्र का प्रारूप, सरकार द्वारा, ऐसे न्यूनतम दो दैनिक समाचार-पत्रों में, जिनका व्यापक परिचालन हो, प्रकाशित किया जायेगा;
सीधी भर्ती की
प्रक्रिया

(2) नियुक्ति प्राधिकारी, निम्नलिखित रीति से सीधी भर्ती के लिए आवेदन-पत्र उपनियम (1) में प्रकाशित प्रारूप पर, आमंत्रित करेगा और रिक्तियाँ अधिसूचित करेगा :

(एक) ऐसे दैनिक समाचार-पत्रों में जिसका व्यापक परिचालन हो, विज्ञापन जारी करके;

(दो) कार्यालय के सूचना पट्ट पर सूचना विपका कर या रेडियो/दूरदर्शन और अन्य रोजगार-पत्र के माध्यम से विज्ञापन करके, और

(तीन) रोजगार कार्यालय को रिक्तियाँ अधिसूचित करके।

(3) उपनियम (2) के अधीन रिक्तियाँ अधिसूचित करते समय आवेदन-पत्र का प्रारूप पुनः प्रकाशित नहीं किया जायेगा।

(4) चयन के लिए परीक्षा 100 अंकों की होगी। अभ्यर्थियों की ज्येष्ठता सूची निम्नलिखित रीति से तैयार की जायेगी :

(क) (एक) वस्तुनिष्ठ प्रकार की एक लिखित परीक्षा होगी, जिसमें सामान्य हिन्दी, सामान्य ज्ञान और सामान्य अध्ययन का एक प्रश्न-पत्र होगा। लिखित परीक्षा में प्राप्त अंकों के प्रतिशत का 50 प्रतिशत प्रत्येक अभ्यर्थी को दिया जायेगा, सिवाय ऐसे अभ्यर्थियों के जिनका चयन किसी ऐसे पद पर किया जाना हो, जिसके लिए टंकण या आशुलिपिक और टंकण अग्निवार्य अर्हता के रूप में विहित हो। चयन किये जाने वाले अभ्यर्थियों की दशा में लिखित परीक्षा में प्राप्त अंकों के प्रतिशत का 25 प्रतिशत ऐसे अभ्यर्थियों को दिया जायेगा।

परन्तु ऐसे पद जिनके लिए कोई शारीरिक मानक, अग्निवार्य अर्हता के रूप में या भर्ती के दंग के रूप में विहित किये गये हों, तो लिखित परीक्षा के पूर्व अभ्यर्थियों से विहित शारीरिक परीक्षण कराने की अपेक्षा की जायेगी और केवल उन्हीं अभ्यर्थियों को चयन के लिए परीक्षा में सम्मिलित होने की अनुमति दी जायेगी जो पद के लिए विहित न्यूनतम मानकों को पूरा करते हों।

(दो) अभ्यर्थियों का प्रश्न-पत्र एवं उत्तर-पत्र, (दो प्रतियों में) दिये जायेंगे। जब परीक्षा समाप्त होगी तो अभ्यर्थियों को अपने साथ उत्तर-पत्र की कार्बन प्रतिलिपि ले जाने की अनुमति दी जायेगी।

(ख) पद के लिए विहित न्यूनतम अर्हता परीक्षा में प्राप्तियों के प्रतिशत का 20 प्रतिशत प्रत्येक अभ्यर्थी को दिया जायेगा।

(ग) छद्मशुद्धा कर्मचारियों को निम्नलिखित रीति से अंक दिये जायेंगे, जो अधिकतम 16 प्रतिशत होंगे—

(एक) सेवा में प्रथम पूर्ण वर्ष के लिए

पाँच अंक

(दो) सेवा में दूसरे और प्रत्येक पूर्ण वर्ष के लिए

प्रत्येक वर्ष के लिए

पाँच अंक

(घ) किसी खिलाड़ी को निम्नलिखित रीति से अंक दिये जायेंगे, जो अधिकतम पाँच प्रतिशत होंगे :

(एक) यदि अभ्यर्थी अन्तर्राष्ट्रीय स्तर का खिलाड़ी हो

पाँच अंक

(दो) यदि अभ्यर्थी राष्ट्रीय स्तर का खिलाड़ी हो

चार अंक

(तीन) यदि अभ्यर्थी राज्य स्तर का खिलाड़ी हो

तीन अंक

(चार) यदि अभ्यर्थी विश्वविद्यालय/कालेज/स्कूल स्तर का खिलाड़ी हो

दो अंक

(ङ) किसी ऐसे पद पर जिसके लिए टंकण या आशुलिपि और टंकण अग्निवार्य अर्हता के रूप में विहित हो, चयन किये जाने वाले अभ्यर्थियों की दशा में यथास्थिति टंकण या आशुलिपि और टंकण की परीक्षा होगी। उक्त परीक्षा में प्राप्तियों के प्रतिशत का पच्चीस प्रतिशत केवल ऐसे अभ्यर्थियों को दिया जायेगा जिन्होंने यथास्थिति टंकण के लिए विहित न्यूनतम गति प्राप्त कर ली हो। टंकण परीक्षा या आशुलिपि और टंकण परीक्षा के लिए बुलाये जाने वाले अभ्यर्थियों की संख्या रिक्तियों की संख्या की चार गुना होगी। इस प्रयोजन के लिए नियम-4 में निर्दिष्ट आरक्षण के उपबन्धों को ध्यान में रखते हुए अभ्यर्थियों की श्रेष्ठता सूची उनके द्वारा खण्ड (क), (ख), (ग), (घ) के अधीन प्राप्त अंकों के आधार पर पृथक् रूप से तैयार की जायेगी।

(3)

(5) (क) उपनियम (4) के खण्ड (क), (ख), (ग), (घ) और (ङ) के अधीन लिखित परीक्षा और अन्य मूल्यांकनों के परिणाम प्राप्त हो जाने, और सारणीबद्ध कर लिये जाने के पश्चात् चयन समिति, नियम 4 में निर्दिष्ट आरक्षण के उपबन्धों को ध्यान में रखते हुए साक्षात्कार करेगी। साक्षात्कार के लिए बुलाये जाने वाले अभ्यर्थियों की संख्या रिक्तियों की संख्या की चार गुना होगी। किसी पद पर जिसके लिए टंकण या आशुलिपि और टंकण अनिवार्य अर्हता के रूप में विहित हो, चयन किये जाने वाले अभ्यर्थियों की दशा में, केवल ऐसे अभ्यर्थियों को, जो उपनियम (4) के खण्ड (ङ) के अधीन यथास्थिति टंकण परीक्षा या आशुलिपि और टंकण परीक्षा में सफल हो गया हो, साक्षात्कार के लिए बुलाया जायेगा।

(ख) साक्षात्कार चयन हेतु परीक्षा के लिए नियत कुल अंकों के दस प्रतिशत अंकों का होगा। साक्षात्कार में अध्यक्ष और सभी अन्य सदस्यों द्वारा पृथक-पृथक निम्नलिखित रीति से अंक दिये जायेंगे :-

(एक)	विषय/सामान्य ज्ञान	चार अंकों तक
(दो)	व्यक्तित्व निर्धारण	तीन अंकों तक
(तीन)	अभिव्यक्ति की क्षमता	तीन अंकों तक

टिप्पणी-किसी अभ्यर्थी द्वारा साक्षात्कार में प्राप्त किये गये कुल अंक चयन समिति के अध्यक्ष और सभी सदस्यों द्वारा पृथक-पृथक रूप से दिये गये अंकों के औसत की गणना करके अवधारित किये जायेंगे।

(ग) चयन समिति के अध्यक्ष और सदस्यों को किसी भी दशा में साक्षात्कार के समय उपनियम (4) खण्ड (ख), (ग), (घ) और (ङ) के अधीन अभ्यर्थियों द्वारा प्राप्त किये गये अंकों के सम्बन्ध में कोई सूचना नहीं दी जायेगी।

(6) उप नियम (5) के अधीन साक्षात्कार में प्रत्येक अभ्यर्थी द्वारा प्राप्त किये गये अंकों को उपनियम (4) के अधीन प्राप्त किये गये अंकों में जोड़ दिया जायेगा। इस प्रकार प्राप्त अंकों को कुल योग के आधार पर अन्तिम चयन सूची तैयार की जायेगी यदि दो या अधिक अभ्यर्थी कुल योग के बराबर-बराबर अंक प्राप्त करें तो लिखित परीक्षा में उच्चतर अंक प्राप्त करने वाले अभ्यर्थी को चयन सूची में ऊपर रखा जायेगा। यदि लिखित परीक्षा में भी दो या अधिक अभ्यर्थी ने बराबर-बराबर अंक प्राप्त किये हों तो आयु में उच्चतम अभ्यर्थी को चयन सूची में ऊपर रखा जायेगा। सूची में नामों की संख्या रिक्तियों की संख्या से अधिक (किन्तु पच्चीस प्रतिशत से अनधिक) होगी।

(7) उपनियम (6) में निर्दिष्ट चयन सूची नियुक्ति प्राधिकारी को अग्रसारित की जायेगी।

8. सीधी भर्ती एक चयन समिति के माध्यम से की जायेगी, जिसमें निम्नलिखित होंगे :

(एक)	नियुक्ति प्राधिकारी	अध्यक्ष
(दो)	अध्यक्ष द्वारा नाम निर्दिष्ट अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों का कोई अधिकारी, यदि अध्यक्ष अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों का न हो। यदि अध्यक्ष अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जनजातियों का हो तो अध्यक्ष द्वारा अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जनजातियों या अन्य पिछड़े वर्गों से निम्न कोई अधिकारी नाम निर्दिष्ट किया जायेगा।	सदस्य
(तीन)	अध्यक्ष द्वारा नाम निर्दिष्ट अन्य पिछड़े वर्गों का कोई अधिकारी, यदि अध्यक्ष अन्य पिछड़े वर्गों का न हो। यदि अध्यक्ष अन्य पिछड़े वर्गों का हो तो अध्यक्ष द्वारा अन्य पिछड़े वर्गों या अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जनजातियों से निम्न कोई अधिकारी नाम निर्दिष्ट किया जायेगा।	सदस्य
(चार)	भर्ती किये जाने वाले पद की अपेक्षाओं के अनुसार सम्बन्धित क्षेत्र में पर्याप्त ज्ञान रखने वाले एक अधिकारी को अध्यक्ष द्वारा नाम निर्दिष्ट किया जायेगा।	सदस्य

चयन समिति
का गठन

सदस्य

(पाँच) सम्बन्धित जिले के जिला मजिस्ट्रेट द्वारा नाम निर्दिष्ट एक अधिकारी।

टिप्पणी—(1) यदि किसी जिले में किसी विभाग में एक से अधिक नियुक्ति प्राधिकारी हो तो उस विभाग हेतु सम्पूर्ण जिले के लिए एक एकल चयन समिति गठित की जायेगी। ज्येष्ठतम नियुक्ति प्राधिकारी चयन समिति का अध्यक्ष होगा।

(2) यदि नियुक्ति प्राधिकारी विभागाध्यक्ष हो तो ऐसी दशा में चयन समिति के सभी सदस्य उसके द्वारा नाम निर्दिष्ट किये जायेंगे। वह अपने स्थान पर किसी ऐसे अधिकारी को, जो अन्य सदस्यों से ज्येष्ठ हो, चयन समिति के अध्यक्ष के रूप में नाम-निर्दिष्ट कर सकता है। ऐसा विभागाध्यक्ष केवल साक्षात्कार करने के लिए एक से अधिक चयन समिति गठित कर सकता है।

(3) यदि किसी नियुक्ति प्राधिकारी का क्षेत्राधिकार एक से अधिक जिले में हो तो उस दशा में भर्ती की प्रक्रिया उस जिले में की जायेगी जिसमें नियुक्ति प्राधिकारी का मुख्यालय स्थित हो।

फीस

7. चयन के लिए अभ्यर्थियों से चयन समिति को ऐसी फीस देने की अपेक्षा की जायेगी जो सरकार द्वारा समय-समय पर अवधारित की जाय। फीस की वापसी के लिए कोई दावा स्वीकार नहीं किया जायेगा।

अभ्यर्थियों द्वारा प्राप्त अंक, सही उत्तरों का प्रदर्शन एवं प्रकाशन

8. जब चयन प्रक्रिया पूरी हो जाय और चयन सूची नियुक्ति प्राधिकारी को अग्रसारित कर दी जाय तो लिखित परीक्षा के प्रश्नों का सही उत्तर और अभ्यर्थी द्वारा उसमें प्राप्त किये गये अंक के साथ यथास्थिति नियम-5 के उपनियम (5) के अधीन प्राप्त अंकों का कुल योग दैनिक समाचार-पत्रों में प्रकाशित किया जायेगा और सम्बन्धित कार्यालय के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित किया जायेगा।

अभ्यर्थियों द्वारा अभिलेखों का निरीक्षण

9. अभ्यर्थियों की ऐसी फीस का, जो सरकार द्वारा समय-समय पर अवधारित की जाय, भुगतान करने पर नियम-5 के अनुसार चयन समिति द्वारा की गयी चयन प्रक्रिया से सम्बन्धित अभिलेखों और उसमें दिये गये अंकों का निरीक्षण करने की अनुमति दी जायेगी। यदि कोई अभ्यर्थी ऐसी इच्छा व्यक्त करे तो उसे दस रुपये प्रति पृष्ठ की दर से फीस का भुगतान करने पर ऐसे अभिलेखों की फोटो प्रतियाँ भी दी जायेंगी।

आज्ञा से,

आलोक कुमार जैन,
राजिव।

In pursuance of the provisions of clause (3) of Article 348 of the Constitution of India, the Governor is pleased to order the publication of the following English translation of notification no. 1098/Karmic-2/2003-55(35)/2003, dated July 31, 2003 for general information :

NOTIFICATION

Miscellaneous

July 31, 2003

No.1098/Karmic-2/2003-55(35)/2003--In exercise of the powers conferred by the proviso to Article 309 of the Constitution, the Governor is pleased to make the following rules :

THE UTTARANCHAL PROCEDURE FOR DIRECT RECRUITMENT FOR GROUP "C"
POSTS (OUTSIDE THE PURVIEW OF THE UTTARANCHAL PUBLIC
SERVICE COMMISSION) RULES, 2003

Short title,
commencement
and application

1. (1) These rules may be called the Uttaranchal Procedure for Direct Recruitment for Group "C" Posts (Outside the Purview of the Uttaranchal Public Service Commission) Rules, 2003.

- (2) They shall come into force at once;
- (3) They shall apply to direct recruitment to Group "C" posts under the rule making power of the Governor under the proviso to Article 309 of the Constitution, except the posts and Department :
- (i) Which are within the purview of the Uttaranchal Public Service Commission, High Court and the Police Department including Provincial Armed Constabulary and Fire Services;
 - (i-a) Which have the prescribed minimum academic qualification lower than the Intermediate Examination Certificate of the Board of High School and Intermediate Education, Uttaranchal or an equivalent qualification recognized by the Government;
 - (ii) Which are excluded from application of these rules by the government by notified order.
2. These rules shall have effect notwithstanding anything to the contrary contained in any other rules or orders. Overriding effect
3. In these rules, unless there is anything repugnant in the subject or context-- Definitions
- (a) "Appointing authority" means the authority empowered to make appointments under the relevant service rules;
 - (b) "Constitution" means the Constitution of India;
 - (c) "Government" means the State Government of Uttaranchal;
 - (d) "Governor" means the Governor of Uttaranchal.
 - (e) "Other Backward Classes" means the other Backward Classes of citizens specified in Schedule-I of the Uttar Pradesh Public Service (Reservation for Scheduled Castes, Scheduled Tribes and Other Backward Classes) Act, 1994, as applicable in the State of Uttaranchal.
4. The appointing authority shall determine the number of vacancies to be filled during the course of the year as also the number of vacancies to be reserved for candidates belonging to the Scheduled Castes, Scheduled Tribes and other categories in accordance with the relevant service rules. In case the Chairman of the Selection Committee is an officer other than the appointing authority, the appointing authority shall intimate the vacancies to the Chairman of the Selection Committee. Determination of vacancies
5. (1) For making direct recruitment the Government shall publish the application form in not less than two daily newspapers having wide circulation. Procedure for direct recruitment
- (2) The appointing authority shall invite the applications for direct recruitment in the form published under sub-rule (1) and notify the vacancies in the following manner :
- (i) by issuing advertisement in daily newspaper having wide circulation;
 - (ii) by pasting the notice on the notice board of the office or by advertising through Radio/Television and other Employment newspapers; and
 - (iii) by notifying vacancies to the employment exchange.
- (3) The application form shall not be published again while notifying the vacancies under sub-rule (2).
- (4) The test for selection shall carry one hundred marks. The merit list of the candidates shall be prepared in the following manner :
- (a) (i) there shall be an objective-type written examination consisting of a single question paper which will include General Hindi, General Knowledge and General Studies. Fifty per cent of the percentage of marks obtained in the written examination shall be given to each candidate except those candidates to be selected for any post for which typewriting or shorthand and typewriting has been prescribed as an essential qualification. In the case of candidates to be selected for any post for which typewriting or shorthand and typewriting has been prescribed as an essential qualification twenty five per cent of the percentage of marks obtained in the written examination shall be given to such candidates :

(6)

Provided that the posts for which some physical standards have been prescribed as essential qualification or as mode of recruitment for the post, the candidates shall be required to undergo prescribed physical tests before the written examination and only those candidates shall be allowed to appear in the test for selection who come up to the minimum standards prescribed for the post.

(ii) The question paper-cum-answer sheet (in duplicate) shall be provided to the candidates. When the examination is over, the candidates shall be allowed to carry back the carbon copy of the answer sheet with them.

(b) Twenty per cent of the percentage of marks obtained at the minimum qualifying examination prescribed for the post shall be given to each candidate.

(c) Marks to a retrenched employee shall be awarded in the following manner subject to the maximum of fifteen per cent marks of the total marks fixed for test for selection :-

- | | |
|---|-----------------------|
| (i) For the first completed year of services | 5 marks |
| (ii) For the next and every completed year of service | 5 marks for each year |

(d) Marks to a sportsman shall be awarded in the following manner subject to the maximum of five per cent marks :

- | | |
|---|---------|
| (i) If the candidate is a sportsman of International level | 5 marks |
| (ii) If the candidate is a sportsman of National level | 4 marks |
| (iii) If the candidate is a sportsman of State level | 3 marks |
| (iv) If the candidate is a sportsman of University/College/School level | 2 marks |

(e) In the case of candidates to be selected for any post for which typewriting or shorthand and typewriting has been prescribed as an essential qualification, there shall be a test of typewriting of shorthand and typewriting, as the case may be. Twenty five per cent of the percentage of marks obtained in the said test shall be given only to those candidates who have attained minimum speed, prescribed for typewriting of shorthand and typewriting, as the case may be. The number of candidates to be called for typewriting test or shorthand and typewriting test, as the case may be, shall be four times the number of the vacancies. For this purpose the merit list of candidates shall, having regard to the provisions of the reservation referred to in Rule 4, be made separately on the basis of marks obtained by them under clauses (a), (b), (c) and (d).

(5) (a) After the results of the written examination and other evaluations under clauses (a), (b), (c), (d) and (e) of sub-rule (4) have been received and tabulated, the Selection Committee shall, having regard to the provisions of reservation referred to in Rule-4, hold an interview. The number of candidates to be called for interview shall be four times the number of the vacancies. In the case of candidates to be selected for a post for which typewriting or shorthand and typewriting has been prescribed as an essential qualification, only such candidates who qualify the typewriting test or shorthand and typewriting test as the case may be, under clause (e) of sub-rule (4), shall be called for interview.

(b) The interview shall carry ten per cent marks of the total marks fixed for test for selection. Marks at the interview shall be awarded by the Chairman and all other Members separately in the following manner :

- | | |
|-------------------------------|------------------|
| (i) Subject/General Knowledge | upto four marks |
| (ii) Personality Assessment | upto three marks |
| (iii) Power of Expression | upto three marks |

Note- The total obtained by a candidate at the interview shall be determined by calculating the average of marks awarded to him by the Chairman and all the Members of the Selection Committee separately.

(c) The Chairman and Member of the Selection Committee shall, in no case be provided any information with regard to marks obtained by candidates under clauses (a), (b), (c), (d) and (e) of sub-rule (4) at the time of interview.

(7)

- (6) The marks obtained by each candidate at the interview under sub-rule (5) shall be added to the marks obtained under sub-rule (4). The final select list shall be prepared on the basis of aggregate of marks so arrived. If two or more candidates obtain equal marks in aggregate, the candidate obtaining higher marks in the written examination shall be placed higher in the select list. In case two or more candidates obtain equal marks in the written examination also the candidate senior in age shall be placed higher in the select list. The number of the names in the list shall be larger (but not larger by more than twenty-five per cent) than the number of vacancies.

- (7) The select list referred to in sub-rule (6) shall be forwarded to the appointing authority.

Constitution of
Selection
Committee

6. Direct recruitment shall be made by a selection committee comprising :
- | | |
|---|----------|
| (i) Appointing Authority | Chairman |
| (ii) An Officer belonging to the Scheduled Castes or Scheduled Tribes, nominated by the Appointing authority if the Chairman does not belong to Scheduled Castes or Scheduled Tribes. If the Chairman belongs to the Scheduled Castes or Scheduled Tribes an officer other than belonging to the Scheduled Castes or Scheduled Tribes or Other Backward Classes shall be nominated by the Chairman. | Member |
| (iii) An officer belonging to the Other Backward Classes, Shall be nominated by the appointing authority, Chairman, if the Chairman does not belong to the Other Backward Classes. If the Chairman belongs to the Other Backward Classes an officer other than other backward classes or Scheduled Castes or Scheduled Tribes shall be nominated by the Chairman. | Member |
| (iv) An officer having adequate knowledge in the related field according to the requirements of the post for which recruitment is to be made shall be nominated by the Chairman. | Member |
| (v) District Magistrate or an officer nominated by the District Magistrate of the district concerned. | Member |

Note—(1) If in a district there are more than one appointing authorities in a department then for that department there shall be constituted a single Selection Committee for the entire district, the senior most appointing authority shall be the Chairman of the Selection Committee.

(2) If the appointing authority is the Head of the Department then in such case all the members of the selection committee shall be nominated by him. He may, on his behalf nominate an officer senior to other members as Chairman of the Selection Committee. Such Head of the Department may constitute more than one Selection Committee for holding interview only.

(3) If the jurisdiction of an appointing authority extends to more than one district then in such case the recruitment process shall be done in that district in which the Headquarters of appointing authority is situated.

7. Candidates for selection shall be required to pay to the Selection Committee such fee as may, from time to time, be determined by the Government. No claim for the refund of the fee shall be entertained.

Fee

8. When the Selection process is complete and the select list has been forwarded to the appointing authority, the correct answers of the questions for the written examination and the marks obtained therein by the candidates along with their aggregate of marks obtained under sub-rule (5) of Rule 5 shall be published in the daily newspapers and displayed on the notice-board of the office concerned.

Publication
and display of
correct
answers and
the marks
obtained by
the candidates

(a)

Inspection of
records by the
candidates

9. Candidates shall be permitted to inspect the records pertaining to the selection process done and the marks awarded therein by the Selection Committee in accordance with Rule 5 on payment of such fee as may be determined by the Government, from time to time. If a candidate so desires, he shall also be provided with photostatic copies of such records on payment of a fee at the rate of rupees ten per page.

By Order,

ALOK KUMAR JAIN,
Secretary.

टिप्पणी-राजपत्र, दिनांक 23-08-2003, भाग 1 में प्रकाशित।

[प्रतिलिपि सूचनार्थ प्रेषित—]

पी०एस०यू० (आर०ई०) ०५ कार्मिक/३५४-१६-०९-२००३-१००० (कम्प्यूटर/रीजियो)।